

المملكة العربية
السعودية
وزارة التعليم العالي
جامعة أم القرى
كلية اللغة العربية
قسم الدراسات العليا
فرع الأدب والبلاغة
والنقد

الحكاية النقدية

دراسة وتحليل

رسالة مقدمة لنيل درجة ((الماجستير)) في النقد الأدبي

إعداد الطالبة

نرهور سرحان القرشي

إشراف سعادة الدكتور

حامد بن صالح الربيعي

/

ملخص الرسالة

..

وأما الفصل الأول

وأما الفصل الثاني

وَالْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ .

Abstract

Praise be for Allah Alone and good blessing upon his prophet Peace be upon him.

This research dealt with criticism as regard its study and analysis. The study comes in preclusion, two chapters and conclusion that discussed the importance of the study

Besides its most important sources and research methodology . In the preclusion , the meaning of critical tale is presented after clarifying both lexical and literary meaning for the it in general besides its relation with human being.

The first chapter is presented in three sections which have shown the relationship of criticism with tale in many dimensions as the study proved that there is many sides of it in pre Islamic era. It also shown the criticism standards in Islamic era and shifted many of criticism issues and transfer them through lexicographers or tale as well as employing critical tale in critical works so as to serve many objectives

The second chapter is presented in four sections that dealt with construction of critical tale as regards it traits that are being studied in light of their counterparts descriptive characters with their many dimensions as regards basic ones or secondary characters besides the space of the tale that can affect the tale itself including its critical decisions. This chapter had also shown characteristics of the critical tale that are being characterized by its spread among people and discussion in forums. The chapter is concluded by analytical samples for critical views that are discussed in literary and poetic forums.

The conclusion of the research is presented in summarized way that presented the main features of the study besides results.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

إهداء

بينما كان السَّير على جسور الجهد والمثابرة ؛ التقطت ثماراً حلوة نضرة
وأزهاراً جميلة فوّاحة

- أهديتها إلى أبي وأمي حفظهما الله حيث كان الحرص والتوجيه والدعاء

- إلى أبي أصيل لأخذه باليد وشدّه للعزم ومنحه الوقت والتّصيحة دون ملل أو كلل

إليه حين ذلّ العقبات وواجه الصّعوبات تمهيداً لسيري

- إلى أخي أبي إبراهيم حين سهر وقرأ ووجّه إلى الصّواب

- إلى أخوتي ؛ أبي سعيد ، وأبي غسان ، وأبي أثير ، وأبي خالد حين كان لهم المعونة والدعاء

- إلى أختي أم عبد الله التي ما قتأت عن الاهتمام بالانتهاء والحث على الاجتهاد

- إلى أختي ورفيقة دربي إيمان حين كانت تختار من صنوف المكافآت مكافأة كلما تقدّمت

بي الخطوات وسمت بي الأمنيات حين حرصت ووجهت باللين تارة وبالخزم تارة أخرى

- إلى ندى وأصيل حين شعّ من أعينهما الانتظار ورغبة المأمول

إليهم جميعاً مع التّحية والتقدير

مقدمة البحث

مُتَمِّمًا

الله

الله

:

...

...

...

.

.

.

أما التمهيد :

...

وأما الفصل الأول :

:

المبحث الأول :

المبحث الثاني :

المبحث الثالث :

وأما الفصل الثاني :

:

المبحث الأول :

المبحث الثاني :

المبحث الثالث :

المبحث الرابع :

ويوجز في الخاتمة :-

الله

...

:

:

الله

:

..

عَلَيْكَ

...

..

الله

الباحثة



التّمهيد

تعريف الحكاية

تعريف الحكاية في اللغة :

() :

() .

() :

() :

() .

تعريف الحكاية في الاصطلاح الأدبي :

) :

((() .

) :

((() .

() .

()

() .

()

()

()

)

(()

}:

*

*

*

{ [:] .

()

الله

العليه

ويعجل

العليه

) .

. ((()

()

١

٢

٣

٤

٥

٦

٧

٨

٩

١٠

١١

١٢

١٣

١٤

١٥

١٦

١٧

١٨

١٩

٢٠

٢١

٢٢

٢٣

٢٤

٢٥

٢٦

٢٧

٢٨

٢٩

٣٠

٣١

٣٢

٣٣

٣٤

٣٥

٣٦

٣٧

٣٨

٣٩

٤٠

٤١

٤٢

٤٣

٤٤

٤٥

٤٦

٤٧

٤٨

٤٩

٥٠

٥١

٥٢

٥٣

٥٤

٥٥

٥٦

٥٧

٥٨

٥٩

٦٠

٦١

٦٢

٦٣

٦٤

٦٥

٦٦

٦٧

٦٨

٦٩

٧٠

٧١

٧٢

٧٣

٧٤

٧٥

٧٦

٧٧

٧٨

٧٩

٨٠

٨١

٨٢

٨٣

٨٤

٨٥

٨٦

٨٧

٨٨

٨٩

٩٠

٩١

٩٢

٩٣

٩٤

٩٥

٩٦

٩٧

٩٨

٩٩

١٠٠



الفصل الأول

الحكاية في الموروث النّقيّ

المبحث الأول

علاقة النقد بالحكاية

()

)

((()

: ()

()

I

()
() :
()
()

:
:
:
:
:
:
:
() ()

)

() () () ()

« ()

) () :

() () :

)

() «

)

« ()

()

()

()

=

:

⊗

:

⊗

:

⊗

⊗

⊗

:

!

:

:

:

:

:

()

=

()

|

:

) ()

() ((

.

:

:

:

:

⊗

:

⊗

()

|

:

:

:

:

.

⊗

:

⊗

.

()

:

.

)

.

:

:

/

.

()

()

()

)) .

. ((()

))

. ((()

:))

. ((()

)) :

()

()

()

() :

((() .

))

((() .

: ﷺ

*

*

: الله ﷻ : « إلى أين أبا ليلى ؟ »

الله ﷻ : « إن شاء الله » .

:

*

*

: الله ﷻ : « لا يفضض الله فاك »

()

()

()

صلى الله عليه وسلم

صلى الله عليه وسلم

صلى الله عليه وسلم

*

()

:

)

صلى الله عليه وسلم

((()

صلى الله عليه وسلم

[]

:

:

:

:

:

.

:

.

()

()

()

! : . :
()

ص

:))

(()
)

(()

:
: () ()
:
()

:

⊗

:

:

()

⊗

:

() ()

()

()

I

) :

. ((

:)

((

:

:

:

!

:

:

:

⊗

:

الله

:

:

. ()

. ()

()

()

()

()

()

:

:

⊗

:

الله

:

()

:

)) :

: ((

)) ()

() ((

:

:

⊗

()

()

()

. ()

|

⊗

:

!

:

:

والله

: والله

:

:

⊗

⊗

:

()

()

.

:

:

⊗

:

/ ()

والله

()

) :

((()

()

()

()

() ((

())

:

· :

:

:

:

:

:

:

⊗

:

:

:

⊗

:

!

:

:

()

()

()

) :

: : : :
(()
صلى الله عليه وسلم

: : : :
الله : : : :
:

⊗

⊗

⊗

:

./ ()

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

. () :

) :

:

⊗

⊗

() :

()

(()

)

(()

()

()

: ()

()

()

() ((

.

..

...

. ()

) :

) :

. () ((

. () ((

:

. / ()

: ()

. / ()

. / ()

:
:
:

()

: :

⊗

⊗

: والله :

: () والله :

:

/ ()

()

.....

.....

.....

)

..

((()

:

:

:

:

:

:

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

()

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

()

:

()

:

:

:

:

()

()

⊗

⊗

⊗

()

)

((()

:

:

:

: والله

⊗

⊗

⊗

:

⊗

⊗

()

()

⊗

⊗

:

:

⊗

⊗

:

()

⊗

⊗

:

:

:

⊗

⊗

:

⊗

⊗

/ ()

:

.....

.....

() () ()

()

()

...

()

:

:

:

*

*

: والله

:

/

()

: ()

: ()

⊗

⊗

()

.

:

:

: والله

:

الله

: والله

.

والله

الله

: والله

.

:

⊗

⊗

:

:

⊗

⊗

⊗

(

)

()

:

/

: الله والله

:

⊗

()

⊗

:



()

المبحث الثاني

الحكاية بين الرواية والتدوين

() (()) :

) :

{ } : ع

() ((

:

: [:]

()

*

()

()

()

()

) :

:

((()

()

()

()

()

⊗

()

⊗

()

()

المبحث الثاني : الحكاية بين الرواية والتدوين

() ()
() () ()
() () ()
() ()

()

⊗

⊗

()

()

()

()

()

()

()

()

= ()

()

:

⊗

()

⊗

) :

:

:

فوالله

. () ((

)

() ((

=

()

()

()

: ()

/

)

(()

):

):

(()

(()

..

(()

(()

(()

()

)

() ((

﴿

)

.() ((

:

:

:

:

:

:

()

()

()

:
:
⊗
:
:
:
⊗ ⊗
:
:
:
:
فوالله :
()
:
:
:
:
⊗
:
()
/ ()

()

⊗

⊗

:

الله

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

⊗

..... ⊗

والله

:

.

:

:

.

:

⊗

..... ⊗

()

:

⊗

⊗

: . والله : :
()

:

الله :

:

:

:

:

:

⊗

:

:

:

.

()

⊗

: ! :

: .

: .

: :

⊗

⊗

()

: والله

:

)

((()

()

()

)

(()

:

:

:

(()

(()

(()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

()

:

:

:

:

:

:

الله

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

⊗

⊗

⊗

:

:

() ()

:

)) :

((

:

:

:

:

:

.

:

:

.

:

:

الله !

الله .

!

:

() / .

: . :
:
:
:
: . :
: والله ! : . :

⊗

⊗

⊗

⊗

:
: والله : : . :
: : : . :

! () :

: : : . :
!

: ! : :

⊗

⊗

: ()

I

⊗
: : . :
⊗
⊗
: : . :
⊗
⊗
⊗
: . : :
() :
: والله :
() والله
: : .
⊗
⊗
⊗
() ()
⊗
: ()
: ()
: ()

I

⊗

⊗

: :

: : .

()

⊗

()

()

⊗

⊗

()

⊗

()

⊗

⊗

⊗

: !

: : والله

:

=

()

()

()

()

()

()

:

!

()

...



()

المبحث الثالث

الحكاية التقدية واتجاهات التأليف

() ()

:

الله ()

()

الله

:

()

()

()

()

()

)

(()

()

()

()

()

()

()

()

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

:

:

:

:

:

/

()

/

()

()

()

المبحث الثالث : الحكاية التقدية واتجاهات التأليف

:

:

:

()

⊗

⊗

()

)) :

:

:

() :

:

.

:

((()

:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

()

()

()

)) :

:

((()

:

:

:

.

:

()

)

()

()

()

((()

()

:

:

:

:

⊗

:

⊗

:

⊗

:

⊗

:

:

الله

⊗

:

(

)

والله

:

.

/

()

.

/

()

! ((() .

: [] :

: والله

]

[

:

: الله !

:

: .

⊗

. () :

:

:

:

⊗

()

()

()

⊗

⊗

() () () ()

:

:

:

()

()

() .

)) :

((() .

... ﷺ

الله ﷻ

:

()

()

الله وعجل

عجل

()

()

()

()

) :

) () ((

. () ((

()

:

:

⊗

:

()

()

()

⊗

()

:

:

.

:

:

:

:

⊗

:

⊗

:

:

:

:

()

⊗

()

.

()

.

1

.

:

:

:

:

:

:

:

:

⊗

:

:

⊗

والله

:

:

:

:

:

:

⊗

⊗

()

⊗

⊗

:

:

⊗

: والله :

:

:

⊗

! :

:

⊗

() . والله :

() .

() .

()

() ()

()

()

)

: ()

: ()

: ()

: ()

I

() () ()
)

((

()
()

()

()

):)

(()

()

()

()

()

()

) :

(()

()

: :
()

:

: .

:
:

والله

()

()

()

:

⊗

:

⊗

⊗

: والله

()

:

:

:

:

:

:

:

:

⊗

⊗

⊗

()

:

()

()

|

)
(
الله
()

:

)

(()

) ()
() () () ()

:

()

()

()

:

.

:

:

:

:

:

:

الله

:

:

⊗

⊗

والله

:

:

:

⊗

⊗

|

:

:

:

⊗

()

:

:

:

:

⊗

⊗

:

()

)) :

((

()

()

()

:

:

:

والله

:

()

:

⊗

!

:

:

⊗

⊗

)

() (

()

()

()

()

()

()

()

()

()

) :

() ((

()

()

()

()

()

()

:

()

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

/

()

⊗
) :
:(
⊗ ⊗
) : :
() : (:
⊗
⊗
() : ! :
⊗
() :
⊗
⊗ / ()
()

|

:
:

:

:

:

:

:

:

.

:

:

.

⊗

:

:

⊗

⊗

⊗

⊗

:

:

⊗

⊗

:

!

() :

()

:



()

الفصل الثاني

بنية الحكاية التقدية

المبحث الأول

شخصيات الحكاية التقدية

في الحكايات النقدية نوعان من الشخصيات :

أولاً : () .

ثانياً :

:

.

.

.

()

() .

) :

()

« .

.

()

()

()

()

()

()

()

()

() :

()

:()

. : . / : ()
. : . : ()

() :

⊗

:

:

:

⊗

⊗

: . :

: .

() !

()

()

()

/ ()

()

()

:

:

الله

:

:

:

:

:

:

⊗

:

⊗

()

:

:

:

:

:

()

()

:

:

:

:

⊗

:

: والله

:

:

⊗

: والله

!

:

:

:

⊗

: والله

()

()

:

()

:

:

⊗

!

الله

:

()

⊗

()

()

() ()

()

:

:

:

:

:

.

:

!

()

()

()

()

()



المبحث الثاني

فضاء الحكاية التقدية

()

()

) :

((

()

:

الله

:

:

:

:

⊗

()

()

()

()

) :

«

: ()

: ()

()

:

:

:

⊗

:

:

:

⊗

:

:

:

⊗

:

:

:

:

⊗

:

⊗

:

()

:

⊗

:

() :

⊗

.

)) :

:

:

والله :

() :

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

. ()

:

:

:

:

. / ()

()

) :

((

:

)

:
الله

!

!

:

:

:

.

:

⊗

⊗

⊗

⊗

:

.

/

()

|

⊗

!

:

:

:

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

!

:

:

()

.

. / ()

: الله :

:

:

:

:

.

:

..... ⊗

.

:

.

:

:

⊗

⊗

:

.

:

:

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

: . :

.

:

:

⊗

: . :

. : !

. ()

()

()

: ()

الله

:

:

:

:

:

:

.

:

.

⊗

:

⊗

⊗

⊗

⊗

.

:

.

:

:

:

⊗

! والله

:

⊗

⊗

:

:

⊗

⊗

⊗

:

والله

:

⊗

:

:

⊗

الله

:

:

.

!

⊗

⊗

.

:

()

...

...

()

|

⊗

⊗

:

!

:

.

:

والله

:

.

فوالله

:

والله والله

:

:

:

⊗

:

.....

⊗

⊗

:

.....

⊗

⊗

والله

:

.

:

⊗

⊗

⊗

والله

:

:

⊗

⊗

⊗

والله

!

: والله

:

⊗

⊗

⊗

⊗

:

:

:

:

⊗

⊗

.

:

()

:

.

.

()

()

() :

⊗

((()))

/ : ()

. : ()

/ : ()

|

()

:

.

:

:

:

.

:

:

.

:

.

:

.

:

.

:

.

:

.

()

()

()



المبحث الثالث

سمات الحكاية النقدية

:

١. صغر الحجم:

:

:

:

:

:

:

()

()

٢. قلّة عدد الشخصيات :

٣. وحدة الحدث :

()

:

:

:

:

/

()

والله

| | | | |
|---|---|---|---|
| | : | . | : |
| : | . | : | : |
| : | : | : | : |
| | ⊗ | | |
| : | : | : | : |
| : | : | : | : |
| | ⊗ | | |
| : | : | : | : |
| : | : | : | : |
| | ⊗ | | |
| : | : | : | : |
| : | : | : | : |
| | ⊗ | | |
| : | . | : | : |
| | : | : | : |
| | ⊗ | | |
| : | . | : | : |

()

:

()

/ ()

()

٤. وحدة الزمن :

()

:

:

:

.

!

:

.

:

!

:

:

⊗

⊗

()

()

: والله

: .

! :

! : . :

:

*

*

*

: والله

. .

! : . : ! :

:

*

*

*

: والله

. .

! الله ﷺ

:

: :

)

. (

()

:

. ()

٥. احتوائها على نص شعريّ أو شاعر :

. : ()

. / ()



المبحث الرَّابِع

نماذج تحليليَّة

·
:
الله
:
:
:

()

()

: والله

: . : .

.

.

() ()

:

:

.

:

.

.

: ()

: ()

: ()

) :

. () ((

) :

. () ((

. / ()

. / ()

()

()

()

:

:

:

:

*

*

!

:

:

()

*

*

()

()

():

()

()

:

⊗

!

:

!

:

!

:

()

()

() (())

()

:

: ()

. / : ()

()

()

()
:
()

. () (()) :



()

خاتمة البحث

الخاتمة

الله

)

((



الفهارس

وتشمل الفهارس التالية :

- فهرس الأبيات الشعرية .
- فهرس المصادر والمراجع .
- فهرس الموضوعات .

فهرس الأبيات الشعريّة

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗



⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

:

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

!

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗





⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗

⊗



المصادر والمراجع

| | |
|----------|---|
| | - |
| ١. () | - |
| ٢. () | - |
| ٣. () | - |
| ٤. () | - |
| ٥. () | - |
| ٦. () | - |
| ٧. () | - |
| ٨. () | - |
| ٩. () | - |
| ١٠. () | - |
| ١١. () | - |
| ١٢. () | - |
| ١٣. () | - |
| ١٤. () | - |
| ١٥. () | - |
| ١٦. () | - |
| ١٧. () | - |
| ١٨. () | - |
| ١٩. () | - |
| ٢٠. () | - |
| ٢١. () | - |
| ٢٢. () | - |
| ٢٣. () | - |
| ٢٤. () | - |
| ٢٥. () | - |
| ٢٦. () | - |
| ٢٧. () | - |
| ٢٨. () | - |
| ٢٩. () | - |
| ٣٠. () | - |
| ٣١. () | - |
| ٣٢. () | - |
| ٣٣. () | - |
| ٣٤. () | - |
| ٣٥. () | - |
| ٣٦. () | - |
| ٣٧. () | - |
| ٣٨. () | - |
| ٣٩. () | - |
| ٤٠. () | - |
| ٤١. () | - |
| ٤٢. () | - |
| ٤٣. () | - |
| ٤٤. () | - |
| ٤٥. () | - |
| ٤٦. () | - |
| ٤٧. () | - |
| ٤٨. () | - |
| ٤٩. () | - |
| ٥٠. () | - |
| ٥١. () | - |
| ٥٢. () | - |
| ٥٣. () | - |
| ٥٤. () | - |
| ٥٥. () | - |
| ٥٦. () | - |
| ٥٧. () | - |
| ٥٨. () | - |
| ٥٩. () | - |
| ٦٠. () | - |
| ٦١. () | - |
| ٦٢. () | - |
| ٦٣. () | - |
| ٦٤. () | - |
| ٦٥. () | - |
| ٦٦. () | - |
| ٦٧. () | - |
| ٦٨. () | - |
| ٦٩. () | - |
| ٧٠. () | - |
| ٧١. () | - |
| ٧٢. () | - |
| ٧٣. () | - |
| ٧٤. () | - |
| ٧٥. () | - |
| ٧٦. () | - |
| ٧٧. () | - |
| ٧٨. () | - |
| ٧٩. () | - |
| ٨٠. () | - |
| ٨١. () | - |
| ٨٢. () | - |
| ٨٣. () | - |
| ٨٤. () | - |
| ٨٥. () | - |
| ٨٦. () | - |
| ٨٧. () | - |
| ٨٨. () | - |
| ٨٩. () | - |
| ٩٠. () | - |
| ٩١. () | - |
| ٩٢. () | - |
| ٩٣. () | - |
| ٩٤. () | - |
| ٩٥. () | - |
| ٩٦. () | - |
| ٩٧. () | - |
| ٩٨. () | - |
| ٩٩. () | - |
| ١٠٠. () | - |

1. ...

2. ...

3. ...

4. ...

5. ...

6. ...

7. ...

8. ...

9. ...

10. ...

11. ...

12. ...

13. ...

14. ...

15. ...

16. ...

17. ...

18. ...

19. ...

20. ...

21. ...

22. ...

23. ...

24. ...

25. ...

26. ...

27. ...

28. ...

29. ...

30. ...

31. ...

32. ...

33. ...

34. ...

35. ...

36. ...

37. ...

38. ...

39. ...

40. ...

41. ...

42. ...

43. ...

44. ...

45. ...

46. ...

47. ...

48. ...

49. ...

50. ...

51. ...

52. ...

53. ...

54. ...

55. ...

56. ...

57. ...

58. ...

59. ...

60. ...

61. ...

62. ...

63. ...

64. ...

65. ...

66. ...

67. ...

68. ...

69. ...

70. ...

71. ...

72. ...

73. ...

74. ...

75. ...

76. ...

77. ...

78. ...

79. ...

80. ...

81. ...

82. ...

83. ...

84. ...

85. ...

86. ...

87. ...

88. ...

89. ...

90. ...

91. ...

92. ...

93. ...

94. ...

95. ...

96. ...

97. ...

98. ...

99. ...

100. ...

1. ... / -

2. ... / -

3. ... / -

4. ... / -

5. ... / -

6. () -

7. ... / -

8. ... / -

9. ... / -

10. ... / -

11. ... / -

12. ... / -

13. ... / -

14. ... / -

15. ... / -

16. ... / -

17. ... / -

18. ... / -

19. ... / -

20. ... / -

()



فهرس

الموضوعات

فهرس الموضوعات

إهداء

مُتَكَلِّمًا

التمهيد

تعريف الحكاية

الفصل الأول : الحكاية في الموروث النقيديّ

المبحث الأول : علاقة النّقد بالحكاية

المبحث الثاني : الحكاية بين الرّواية والتّدوين

المبحث الثالث : الحكاية التّقديّة واتجاهات التّأليف

الفصل الثاني : بنية الحكاية النّقديّة

المبحث الأول : شخصيّات الحكاية النّقديّة

المبحث الثاني : فضاء الحكاية النّقديّة

المبحث الثالث : سمات الحكاية النّقديّة

المبحث الرابع : نماذج تحليليّة

الخاتمة

الفهارس



